सुहागरात पर उपहार में मिला बेंत

कभी मुझे भी आम लड़कियों की तरह चुदाई की बातें अच्छी लगती थी लेकिन शादी के बाद मेरे सेक्स का स्टाइल ही चेंज हो गया। मेरे पति यूं तो सबके सामने बहुत अच्छे रहते हैं लेकिन अकेले में वह पूरे शैतान हो जाते हैं। सुहाग रात से आज तक उन्होंने मुझे अपने हिसाब से चलाया। मुझे बुरा भी बहुत लगा लेकिन मैं कभी बगावत की सोच भी नहीं पायी। सुहाग रात पर उन्होंने जो तोहफा मुझे दिया। वह मुझे बगावत करने से रोके रहता है। यह पांच साल पुरानी बात है। मेरा नाम प्रियंका है। मैं दिल्ली की रहने वाली हूं। मेरी शादी रोहित के साथ हुई। सहेलियों से विदा होने के बाद मैं सुहाग की सेज पर रोहित का इंतजार कर रही थी। रोहित मेरे पास आये। जैसे ही उन्होंने मेरा घूंघट उठाने की कोशिश की। मैंने बचने की कोशिश की। रोहित नाराज़ हो गया। सुहाग सेज पर पति को नाराज देख मैंने उन्हें मनाने की कोशिश की। रोहित ने कहा कि मैं औरों की तरह नहीं हूं। मेरे साथ रहना है तो मेरे तय किये रूल्स को मानना होगा। घर में मैं बास रहूंगा। तुम्हारी गलती पर मैं तुम्हें सज़ा दूंगा। मैं उन्हें मनाने को सभी कुछ कर सकती थी। मैंने उनके पैरों को पकड़ कर कहा स्वामी आप जो भी कहेंगे। मैं करूंगी। आप नाराज न हो। रोहित ने कहा ठीक है। तेरे लिए यही सही रहेगा। उन्होंने मुझे नंगा होने के लिए कहा। कहीं रोहित नाराज न हो जाये। इसलिए मैंने फटाफट कपड़े उतार दिये। रोहित ने मुझसे अलमारी खोलने के लिए कहा। अलमारी में एक पैकेट रखा था। रोहित बोले यह तेरी मुंह दिखायी है। पैकेट खोलने पर उसमें सोने का हार तथा एक फीट का लाल रंग का बेंत निकला। रोहित बोले यह बेंत तुझे अनुशासित बीबी बनने में मदद करेगा। जब मैं चाहुंगा या तुम कोई गलती करोगी। मैं इसका यूज करूंगा। तुम्हारा पहला सबक यहीं से शुरू होगा। मैंने कभी मार नहीं खायी थी। बेंत देखकर शरीर में झुरझुरी फैल गयी। रोहित को खुश रखना मेरी प्राथमिकता थी। मैंने बेंत को चूम कर रोहित को दे दिया। बेंत लेते ही रोहित की आंखों में सख्ती आ गयी। रोहित ने मुझे मुर्गा बनने का हुक्म दिया। स्कूली बच्चों की तरह मैं सुहागसेज के पास मुर्गा बन

गयी। 5 मिनट में ही मेरी टांगे कांपने लगी। मैने नीचे की झुकी ही थी कि मेरे चूतड़ों पर जोरदार से बेंत टकरायी। मेरे मुंह से चीख निकली और मैं खड़े होकर पिछबाड़े को रगड़ने लगी। रोहित ने म्यूजिक ऑन कर दिया। मैंने रहम की भीख मांगी लेकिन रोहित ने एक न सुनी। मजबूरी में मैं फिर से मुर्गा बन गयी। रोहित कुर्सी पर बैठ गये। बेंत को मेरी कमर पर रखकर बोले। तुमको 30 मिनट तक मुर्गा बनना है। यदि बेंत गिरी तो तीस बेंत मारूंगा। दस मिनट के भीतर ही बेंत नीचे गिर गयी। रोहित ने बेंत उठायी। बेंत को मेरे चूतड़ पर थपथपाते हुए कहा कि तुमको इसी तरह से मेरी हर बात माननी होगी। इसी के साथ बेंत मेरे चूतड़ से टकरायी। इसके बाद तीन जोरदार स्ट्रोक मेरे दोनो चूतड़ों पर लगाने के बाद रोहित ने बेंत से मेरी गांड की दरार को सहलाना शुरू कर दिया। मार के दर्द से कांप रहे मेरे शरीर में उत्तेजना आने लगी। बेंत की टिप जैसे ही मेरी चूत के पास आयी। मैं कांप गयी। मैंने चूतड़ों को और भी ऊपर उठा दिया। रोहित बोले औरत को मार खाने के बाद सेक्स में मजा आता है। अभी मैं मजा ले रही थी कि एक बार फिर से मेरे चूतड़ों पर करारे स्ट्रोक लगने लगे। दूसरे तीसरे स्ट्रोक के बाद रोहित जैसे ही बेंत से मेरे जिस्म को सहलाते। मुझमें उत्तेजना आ जाती। 20 वें बेंत के बाद मेरी हालत खस्ता हो गयी। रोहित ने कोई दया नहीं दिखायी। अपने हाथ से सहलाने के बाद रोहित ने बिना रूके 10 बेंत लगाये। मेरी आंखों से आंसू बह रहे थे। इतनी बेदर्दी से मारने के बाद रोहित के चेहरे पर चमक थी। रोहित ने मुझे उठाया तथा मुझे सीने से चिपटा लिया। मेरे पिछबाड़े में आग लग रही थी। रोहित के हाथ लगने के बाद दर्द कुछ कम होता लगा। रोहित का लंड चुभन का एहसास दे रहा था। रोहित ने मेरे पिछबाड़े को अपने हाथ से नापना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में मुझमें वासना जागने लगी। मैंने रोहित के लंड को पकड़ लिया। धीरे धीरे मैंने रोहित के कपड़े उतारे। रोहित का दस इंची लंड देखकर मैं हैरान रह गयी। काले मोटे मूसल की तरह दिख रहे लंड को सहलाते हुए मैंने चूम लिया। रोहित मेरे पूरे शरीर को चूम रहे थे। बेंत की मार को भूलकर मैं प्यार के खेल में डूब गयी। रोहित ने मुझे लिटा कर लंड को मेरी चूत से सटा दिया। मैंने टांगे फैलाई लेकिन लंड के भीतर जाते ही दर्द शुरू हो गया। मैं चीखी चिल्लाई लेकिन रोहित ने मेरा मुंह बंद कर दिया। धीरे धीरे धक्के मारने के

बाद रोहित ने पूरा लंड मेरी चूत में उतार दिया। रोहित धक्का मारने के साथ उग्र हो रहे थे। साली मादरचोद रोज इसी तरह मैं तुझे मार लगाकर चोदुंगा। क्या तू इसके लिए तैयार है। मैंने कहा स्वामी मैं तुम्हारी दासी हूं जैसे चाहो मेरे साथ खेलो। अब रोहित ने मेरी चूत से लंड निकाला ओर मेरी छातियों में डालकर मुंह के पास ले गये। सने हुए लंड को देखकर भी मैंने मुंह नहीं घुमाया। टॉफी की तरह मैं रोहित के लंड को चूसने लगी। रोहित ने लंड को निकाल कर मुझे फर्श पर चौपाया बना दिया। मेरी चूत में धक्कों की बारिश शुरू कर दी। मैं ज्यादा नहीं सह पायी तथा मेरा पानी छूट गया। रोहित अभी नहीं झड़े थे। चूत से लंड को निकाल कर रोहित ने लंड को मेरी गांड के छेद पर रख दिया। मैं उछल कर आगे बढ़ गयी। रोहित का पारा चढ़ गया। मादरचोद तेरी हिम्मत कैसे हुई उठने की। उन्होंने बेंत को उठाकर मेरी गांड तोड़नी शुरू कर दी। दर्द से चिल्लाते हुए मैंने माफी मांगी लेकिन वो नहीं मानें। आखिरकार मुझे झुकना पड़ा। रोहित ने लंड को मेरी गांड पर रखा तथा जोर से धक्का मारा। बेपनाह दर्द के साथ मैं गांड मरा रही थी। कुछ देर बाद मुझे गांड मराने में भी मज़ा आने लगा। अब रोहित ने फिर से बेंत मेरे चूतड़ों पर मारने शुरू कर दिये। 15–20 बेंत मारने के बाद रोहित मेरी गांड में झड़ गये। पूरी रात में उन्होंने तीन बार मुझे चोदा। अब मुझे रोज रोहित के हाथों से मार खाने में मजा आता है।